13. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

कभी-कभी हम बातों-बातों में किसी शब्द को लंबे रूप में बोल देते हैं जबकि उसका संक्षिप्त या छोटा रूप भी होता है। इसलिए किसी शब्द के लंबे रूप यानी अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग किया जाता है, जिससे भाषा में सुंदरता और संक्षिप्तता आती है तथा भाषा अधिक प्रभावशाली भी हो जाती है।

शिक्षण-संकेत

- शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को बताएँ कि बहुत सारे शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग करना चाहिए।
- बताएँ, अनेक शब्दों की जगह एक शब्द प्रयोग करने से भाषा सुंदर तथा प्रभावी बनती है।
- समझाएँ, नभ में उड़ने वाले को नभचर तथा शाक-सब्ज़ी खाने वाले को शाकाहारी कहते हैं।
- इसी प्रकार समझाते हुए अब पाठ पृष्ठ 62 पर दिए चित्रों एवं वाक्यों पर ध्यान दिलाते हुए वाक्य पढ़ें और चर्चा करें– आज्ञाकारी किसे कहते हैं। जहाँ बहुत सारी पुस्तकें रखी जाती हैं उस स्थान को पुस्तकालय कहा जाता है, आदि पर बातचीत करते हुए अथवा प्रश्न पूछते हुए बच्चों को समझाया जा सकता है।
- बच्चों को परिभाषा याद करवाएँ।
- बीच-बीच में बच्चे भी इस प्रकार के अन्य शब्द बताएँ। बच्चों से पूछें कि वे प्रतिदिन इस तरह के कौन-कौन से शब्द बोलते हैं।
- पृष्ठ 63 पर दिए शब्दों को स्वयं पढ़ें और बच्चों से भी पढ़वाएँ।
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द पढ़वाने के बाद बच्चों में रुचि और जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से उनसे प्रश्न पूछे जा सकते हैं कि स्वदेशी क्या होता है, निडर किसे कहते हैं।, सत्यवादी किसे कहा जाता है। पूछें, भारत-भूमि पर किस महापुरुष को सत्यवादी के नाम से जाना जाता है, आदि।
- बीच-बीच में पूछते रहें कि बच्चे समझ पा रहे हैं या नहीं।
- बच्चों से पाठ अभ्यास करवाएँ, यथोचित सहायता भी करें।